

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों और जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा की

शासन-प्रशासन के अधिकारी आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें और समयबद्ध समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए : मुख्यमंत्री

शारदीय नवरात्रि, दुर्गा अष्टमी, महानवमी और विजयादशमी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुगम आवागमन की चाक-चौबन्द व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

शारदीय नवरात्रि से छठ महापर्व तक वरिष्ठ अधिकारी स्वयं क्षेत्र में जाएं, जनता से सीधा संवाद करें

जोन और रेन्ज स्तर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक स्वयं क्षेत्र में भ्रमण करें, गश्त में शामिल हों

दाखिल-खारिज, पैमाइश, वरासत तथा जाति और आय प्रमाण-पत्र से जुड़े प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण किया जाए

निर्विवाद राजस्व मामलों का निस्तारण अधिकतम 15 दिन में किया जाए, प्रत्येक तहसील में लम्बित प्रकरणों की सूची सार्वजनिक की जाए

शांति और कानून-व्यवस्था में बाधा डालने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए प्रत्येक थाने में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश

महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के साथ उन्हें आवश्यक सहायता, परामर्श और विधिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए

किसानों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश

निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में समुचित व्यवस्था बनाए रखने, पात्र परिवारों को आवास योजनाओं का लाभ दिलाने और सड़क कटिंग से जुड़ी समस्याओं का आगामी 31 अक्टूबर तक समाधान करने के निर्देश

मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश

कोई भी सहकारी समिति उर्वरक के स्टॉक से विहीन न रहे

अगले 48 घण्टों में वर्षा से हुए नुकसान और राहत वितरण की पूरी जानकारी राहत आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए

जिन परिवारों के आवास पूरी तरह क्षतिग्रस्त, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए

सभी प्रमुख देवी मन्दिरों में अतिरिक्त कार्मिक तैनात किए जाएं, इन स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सी0सी0टी0वी0 के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जाए  
थाना, चौकी और जनपद स्तर पर पीस कमेटियों की बैठकें आयोजित कर धर्मगुरुओं,  
आयोजन समितियों और स्थानीय नागरिकों से निरन्तर संवाद बनाए रखा जाए

शोभा यात्रा और विसर्जन मार्गों पर चिकित्सा शिविर,  
एम्बुलेन्स, अग्निशमन वाहन और चिकित्सा दल उपलब्ध रहें

मेलों एवं विसर्जन स्थलों पर खोया-पाया केन्द्र,  
सहायता केन्द्र और पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किए जाएं

शोभा यात्रा और विसर्जन मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें न लगने दी जाएं

परिवहन विभाग यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसों  
का संचालन करे और बस स्टेशनों पर स्वच्छता बनाए रखी जाए

लखनऊ : 09 अक्टूबर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि शासन-प्रशासन के अधिकारी आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहें और समयबद्ध समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि से छठ महापर्व तक वरिष्ठ अधिकारी स्वयं क्षेत्र में जाएं। जनता से सीधा संवाद करें और उनकी समस्याओं के समाधान की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। शिकायत लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अधिकतम 24 घण्टे के अंदर संतोषजनक जवाब मिलना चाहिए। जनपद स्तर के साथ शासन स्तर पर भी जनशिकायतों के निस्तारण की नियमित समीक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों और जनहित से जुड़े विषयों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा, सुगम यातायात और जनसुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि दाखिल-खारिज, पैमाइश, वरासत तथा जाति और आय प्रमाण-पत्र से जुड़े प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण किया जाए। निर्विवाद राजस्व मामलों का निस्तारण अधिकतम 15 दिन में किया जाए और प्रत्येक तहसील में लम्बित प्रकरणों की सूची सार्वजनिक की जाए। निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा न होने पर सम्बन्धित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स नीति के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी बल दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बीट आरक्षी से लेकर पुलिस अधीक्षक तक प्रत्येक अधिकारी अपने दायित्वों का तत्परता और ईमानदारी से निर्वहन करे। कस्बों और नगरों में यातायात जाम की स्थिति न बने और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शारदीय नवरात्र से छठ महापर्व तक जोन और रेन्ज स्तर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक स्वयं क्षेत्र में भ्रमण करें, गश्त में शामिल हों और आमजन से सीधा संवाद करें। संवेदनशील क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। शांति और कानून-व्यवस्था में बाधा डालने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाए।

मुख्यमंत्री जी ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए प्रत्येक थाने में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के साथ उन्हें आवश्यक सहायता, परामर्श और विधिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। स्टण्टबाजी करने वालों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया जाए। एण्टी रोमियो स्कॉड की कार्रवाई तेज की जाए, जिससे महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री जी ने सम्बन्धित अधिकारियों को किसानों के लिए उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी सहकारी समिति उर्वरक के अभाव में स्टॉक विहीन न रहे। जिलाधिकारी स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक आवंटन के लिए कृषि विभाग को समय से सूचित करें। उन्होंने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में समुचित व्यवस्था बनाए रखने, पात्र परिवारों को आवास योजनाओं का लाभ दिलाने और सड़क कटिंग से जुड़ी समस्याओं का आगामी 31 अक्टूबर तक समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने पर बल देते हुए कहा कि अगले 48 घण्टों में वर्षा से हुए नुकसान और राहत वितरण की पूरी जानकारी राहत आयुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। जिन परिवारों के आवास पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने आगामी पर्व-त्योहारों के शांति और सौहार्दपूर्ण आयोजन के दृष्टिगत तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि आगामी 11 अक्टूबर से शुरू हो रही शारदीय नवरात्रि, 18 अक्टूबर को दुर्गा अष्टमी, 19 अक्टूबर को महानवमी और 20 अक्टूबर को विजयादशमी के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुगम आवागमन की चाक-चौबन्द व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। विन्ध्याचल धाम (मीरजापुर), देवीपाटन

शक्तिपीठ (बलरामपुर), सिद्धपीठ माँ शाकुम्भरी देवी (सहारनपुर) और माँ ललिता देवी शक्तिपीठ, नैमिषारण्य (सीतापुर) सहित सभी प्रमुख देवी मन्दिरों में अतिरिक्त कार्मिक तैनात किए जाएं। इन स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सी0सी0टी0वी0 के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शारदीय नवरात्रि से छठ महापर्व तक विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। सभी पर्व—त्योहार शान्तिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना प्रशासन और पुलिस की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि थाना, चौकी और जनपद स्तर पर पीस कमेटियों की बैठकें आयोजित कर धर्मगुरुओं, आयोजन समितियों और स्थानीय नागरिकों से निरन्तर संवाद बनाए रखा जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए। दुर्गा पूजा पण्डालों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डी0जे0 का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। प्रतिमाओं की ऊंचाई सुरक्षित मानकों के अनुसार रखी जाए। विजयादशमी पर पुतला दहन स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए तथा माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने शोभायात्रा और प्रतिमा विसर्जन मार्गों पर झूलते एवं ढीले विद्युत तारों को ठीक कराने, जर्जर खम्भों और ट्रान्सफॉर्मरों की जांच कराने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलियों और गड्ढों की मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश, साफ—सफाई और अतिक्रमण हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर विकास एवं आवास विभाग नगरों में विशेष साफ—सफाई और साज—सज्जा कराए। प्रतिमा विसर्जन स्थलों पर मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, नाव, कुशल गोताखोर और जल पुलिस की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि शोभा यात्रा और विसर्जन मार्गों पर चिकित्सा शिविर, एम्बुलेन्स, अग्निशमन वाहन और चिकित्सा दल उपलब्ध रहें। मेलों एवं विसर्जन स्थलों पर खोया—पाया केन्द्र, सहायता केन्द्र और पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किए जाएं। प्रमुख स्थलों की सी0सी0टी0वी0 कैमरों और ड्रोन से निगरानी के साथ सोशल मीडिया पर भी सतर्क नजर रखी जाए। शोभा यात्रा और विसर्जन मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें न लगने दी जाएं। परिवहन विभाग यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन करे और बस स्टेशनों पर स्वच्छता बनाए रखी जाए। भीड़ और वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए सुगम यातायात, प्रभावी डायवर्जन और पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था की जाए।